हिन्दी विभाग
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,जोधपुर

व्याख्यानमाला

विषय-
घनानंद का काव्य

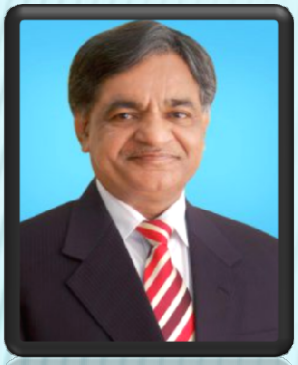

प्रो. प्रवीणचन्द्र त्रिवेदी
कुलपति
मुख्य संरक्षक

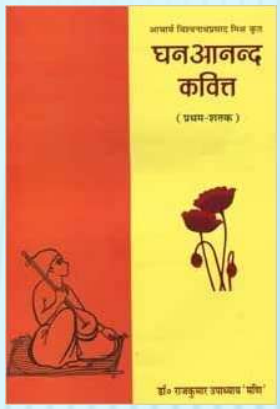

मुख्य वक्ता
प्रो. रामदेव शुक्ल
आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

प्रो. के.एल. रैगर
अधिष्ठाता, कला संकाय
संरक्षक

अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ, झिझकैं कपटी जे निसांक नहीं।
घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ, जहाँ एक ते दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला, मन लेहु पै देहु छटांक नहीं॥

नेही महा, ब्रजभाषा - प्रवीन औ सुंदरतानि के भेद कों जानै।
जोग-वियोग की रीति में कोविद, भावना-भेद-स्वरूप को ठानै।
चाह के रंग में भीज्यौं हियो, बिछुरें-मिलैं प्रीतम सांति न मानैं।
भाषा-प्रवीन, सुछंद सदा रहै, सो घन जी के कवित्त बखानै।।

प्रो. नरेन्द्र मिश्र
स्वागताध्यक्ष
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

दिनांक -27 सितम्बर, 2020,
समय – पूर्वाह्न 11:00 बजे से

संयोजक	आयोजन सचिव	सह सचिव	तकनीकी संयोजन
डॉ. भरत कुमार	डॉ. प्रवीण चन्द	डॉ. अरविन्द कुमार जोशी	डॉ. प्रेम सिंह
सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग	सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग	सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग	सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग

Meeting URL:
https://meet.google.com/qmr-nvie-gak

GOOGLE MEET

facebook